MP METRO NEWS
01st August 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	दैनिक भास्कर	भोपाल	01.08.2024	04	करोंद में भी होगा 3 टियर ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम ऊपर मेट्रो, बीच में फ्लाईओवर, नीचे 6 लेन	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 01-08-2024 Pg-04

मल्टीलेयर ट्रैफिक • बैरागढ़, प्रभात और होशंगाबाद रोड के बाद चौथा डबल डेकर प्रोजेक्ट

करोंद में भी होगा थ्री टियर ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम ऊपर मेट्रो, बीच में फ्लाईओवर; नीचे 6 लेन

इससे आसपास की 5 लाख आबादी को होगा सीधा फायदा

विशेष संवाददाता | भोपाल

होशंगाबाद(नर्मदापुरम) रोड, बैरागढ़ और प्रभात चौराहा के बाद अब चौथा थ्री टियर ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम करोंद चौराहा पर बनेगा। इसमें सबसे ऊपर मेट्रो का ट्रैक रहेगा, उसके नीचे फ्लाईओवर और सबसे नीचे 6 लेन रोड रहेगी। करोंद चौराहा पर व्यवस्तम समय में ट्रैफिक का दबाव प्रति घंटे 12 हजार से ज्यादा वाहनों का रहता है। इससे करीब 5 लाख से ज्यादा आबादी को सीधा फायदा होगा। एयरपोर्ट रोड से रत्नागिरी तक की रोड 6 लेन होगी। इसके अलावा दोनों तरफ सर्विस रोड और फुटपाथ रहेंगे। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत करोंद चौराहे पर बनने वाले मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण किया।

अयोध्या बायपास को 4 लेन से 8 लेन करने के साथ ही इस पर 3 फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। अयोध्या बायपास पर 5 फ्लाईओवर प्रस्तावित थे, लेकिन दोबारा हुए सर्वे में इन्हें घटाकर 3 कर दिया है। इस पूरे कॉरिडोर में 6 लेन रोड के साथ दोनों तरफ एक-एक सर्विस रोड और एक-एक फुटपाथ रहेगा। इससे रत्नागिरी से लेकर एयरपोर्ट तक के रास्ते में 250 से ज्यादा कॉलोनी के रहवासियों को फायदा होगा।

करोंद चौराहा पर ट्रैफिक का दबाव प्रति घंटे 12 हजार वाहनों का

पैदल चलने के लिए सब-वे

- रत्नागिरी से एयरपोर्ट तक की 250 से ज्यादा कॉलोनियों के रहवासियों को फायदा
- चौराहे के विकास के साथ पैदल चलने वालों के लिए तीन सब-वे भी बनाए जाएंगे

30 किलोमीटर रूट का मेट्रो ऑरेंज कॉरिडोर

भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट पहले फेज में लगभग 30 किमी रूट के ऑरेंज लाइन कॉरिडोर के तहत करोंद चौराहे पर मेट्रो स्टेशन बनने का काम शुरू हो गया है। सारंग ने बताया कि एनएचएआई द्वारा जल्द ही फ्लाईओवर निर्माण का कार्य शुरू किया जाएगा। सारंग ने मेट्रो परियोजना, नेशनल हाईवे, पीडब्ल्यूडी, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस, व जिला प्रशासन की समन्वय समिति के साथ बैठक की।

4 साल में पूरे होंगे यह सभी काम

मेट्रो प्रोजेक्ट पहले फेज में लगभग 30 किमी रूट में ऑरेंज लाइन कॉरिडोर करोंद से एम्स तक लगभग 16 किमी की होगी। इसमें 2 भूमिगत स्टेशन (भोपाल जंक्शन एवं नादरा बस स्टैंड) एवं 14 एलिवेटेड स्टेशन होंगे। एनएचएआई द्वारा अयोध्या एयरपोर्ट से रत्नागिरी तक 6 लेन सड़क बनेगी। करोंद चौराहे पर एनएचएआई द्वारा फ्लाईओवर प्रस्तावित है। ये निर्माण कार्य 4 साल में पूरे होंगे।

2 किमी लंबा होगा फ्लाईओवर

करोंद चौराहे पर ट्रैफिक जाम की कठिनाई के निराकरण के लिए लगभग 2 किमी लंबा फ्लाईओवर बनना जाएगा। मेट्रो लाईन इस ग्रेड सेपरेटर के ऊपर से निकलेगी। इसमें पूरे चौराहे में ग्रेड सेपरेटर तथा मेट्रो के कोई पिलर नहीं होंगे। चौराहे के विकास के साथ तीन सब-वे का निर्माण भी किया जा रहा है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
2	Free press	Bhopal	01.08.2024	04	Metro line to extend to karond flyover to be built	Neutral

Metro line to extend to Karond, flyover to be built

Minister Vishvash Sarang inspects site of proposed metro station at Karond intersection on Wednesday

Our Staff Reporter
BHOPAL

The Bhopal Metro project is set to extend its Orange Line corridor to Karond. A new flyover will be constructed at Karond intersection and a six-lane road will be developed from Airport Road to Ratnagiri. A three-tier transportation system will be established in Karond, featuring the metro line on top, a flyover in the middle and a service road at the bottom. On Wednesday, sports and youth welfare minister Vishvas Sarang inspected the site for the new metro station at Karond Intersection.

Work on the metro station and route under the first phase of Bhopal Metro project, covering approximately 30 km of Orange Line corridor, has commenced. Sarang said metro station construction in Karond was underway and NHAI would start the construction of flyover.

During inspection, Sarang directed to address obstacles coming in way of construction.

Additionally, soil testing is currently underway for the elevated corridor between Subhash Nagar and Karond Station on Orange Line. The work on 17-metre piers will begin soon.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
3	नवदुनिया	भोपाल	01.08.2024	11	करोंद में बनेगा थ्री टियर ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम, पांच लाख को होगा फायदा	Positive

करोंद में बनेगा थ्री टियर ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम, पांच लाख को होगा फायदा

करोंद में शुरू हुए मेट्रो रेल लाइन के कार्य का निरीक्षण करते मंत्री विश्वास सारंग। ● नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : शहर के करोंद क्षेत्र में थ्री टियर ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम बनाया जाएगा। जिससे लगभग पांच लाख लोगों को फायदा होगा। इसके बनने से ऊपर मेट्रो ट्रेन चलेगी, बीच में फ्लाईओवर और नीचे से सर्विस रोड गुजरेंगी। स्थानीय विधायक और सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट के करोंद में शुरू हुए कार्य का बुधवार को निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि प्रथम फेज के तहत 30 किमी रूट की आरेंज लाइन कारिडर के तहत करोंद चौराहे पर मेट्रो स्टेशन व रूट बनाया जाएगा। वहीं, एनएचएआइ द्वारा फ्लाईओवर बनाया जा जाएगा। इससे करोंद चौराहे पर थ्री टियर ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम तैयार होगा। उन्होंने मेट्रो परियोजना, समस्त संबंधित विभागों, नेशनल हाईवे, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी और जिला प्रशासन की समन्वय समिति की बैठक कर निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं।

दो किमी लंबा होगा फ्लाईओवर

करोंद चौराहे पर ट्रैफिक जाम के निराकरण के लिए दो किलोमीटर लंबाई में फ्लाइओवर बनाया जा रहा है। मेट्रो लाइन इस ग्रेड सेपरेटर के ऊपर से निकलेगी, जिसमें करोंद चौराहे में ग्रेड सेपरेटर व मेट्रो के कोई पिलर नहीं होंगे। यहां तीन सब-वे भी बन रहे हैं।

इधर, मेट्रो के प्रथम फेज के अंतर्गत 30 किमी रूट प्रस्तावित है, जिसमें आरेंज लाइन कारिडर करोंद से एम्स तक 16 किमी की होगी। इसमें भोपाल जंक्शन एवं नादरा बस स्टैंड पर दो भूमिगत और 14 एलिवेटेड स्टेशन भी होंगे। यह कार्य चार वर्ष में पूरे होंगे।

मेट्रो के लिए प्लेटफार्म नंबर छह से हटेगा अतिक्रमण

भोपाल : शहर में मेट्रो रेल लाइन के काम में तेजी लाने के लिए अब नगर निगम, जिला प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। इसके चलते भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर छह के बाहर पसरे अतिक्रमण को हटाया जाएगा तो वहीं वाहनों पार्किंग भी शिफ्ट की जाएगी। इसको लेकर एसडीएम शहर लक्ष्मीकांत खरे ने मेट्रो रेल परियोजना के अधिकारियों के साथ बुधवार को भारत टाकीज पुल से प्लेटफार्म नंबर छह तक निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए हैं। मेट्रो रेल लाइन का निर्माण करने के लिए अल्पना टाकीज तिराहे से प्लेटफार्म नंबर छह तक का मौजूदा मार्ग बंद किया जाएगा। इस मार्ग पर बनी होटल, दुकान सहित अन्य अतिक्रमण को हटाया जाएगा। इसके अलावा प्लेटफार्म छह पर जाने के लिए अल्पना टाकीज तिराहे से रेलवे माल गोदाम तक एक समानांतर मार्ग रहेगा। जिसके लिए काम शुरू कर दिया गया है। यहीं दो पहिया और चार पहिया वाहनों की पार्किंग को भी शिफ्ट की जाएगी। यह व्यवस्था आने वाले 15 दिन में लागू कर दी जाएगी। जिला प्रशासन ने प्लेटफार्म छह के पास ईरानी डेरे पर बने होटल व अन्य दुकानों को हटाने के लिए कहा है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
4	दैनिक जागरण	भोपाल	01.08.2024	05	मैट्रो के दुसरे फैज पर मिट्ठी की टेस्टिंग , मंत्री सारंग ने देखा काम	Neutral

दैनिक जागरण
भोपाल, 1 अगस्त 2024

राजधानी जागरण 05

प्रोजेक्ट | निरीक्षण के दौरान मंत्री सारंग ने कहा- करोंद चौराहे पर थ्री टियर में ट्रांसपोर्टेशन होगा

मेट्रो के दूसरे फेज पर मिट्टी की टेस्टिंग, मंत्री सारंग ने देखा काम

जागरण, भोपाल। सुभाषनगर से करोंद के बीच 8.77 किमी में जिन जगहों पर मेट्रो लाइन के पिलर खड़े होंगे, वहां मिट्टी की टेस्टिंग की जा रही है। बोगदा पुल चौराहा, करोंद में टेस्ट हो चुके हैं। वहीं, डॉइंग पर भी काम हो रहा है। मेट्रो के इस दूसरे फेज का काम देखने के लिए बुधवार को मंत्री विश्वास सारंग ने निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि करोंद चौराहे पर थ्री टियर में ट्रांसपोर्टेशन होगा। मंत्री सारंग ने कई इलाकों में जाकर काम भी देखा। उन्होंने मेट्रो के एमडी सीबी चक्रवर्ती से मेट्रो प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी ली। वहीं, पूरे प्लान को समझा। इसके बाद वे अफसरों के साथ कई जगहों पर भी पहुंचे।

मेट्रो, फिर फ्लाईओवर और सर्विस रोड निकलेगी

मंत्री सारंग ने कहा कि एयरपोर्ट से रत्नागिरी चौराहे तक 6 लेन भी बनेगा। इसके चौड़ीकरण का कार्य प्रगति पर है। इसके बाद सबसे ऊपर मेट्रो गुजरेगी। फिर फ्लाईओवर और सर्विस रोड निकलेगी। करीब चार साल में प्रोजेक्ट पूरा होगा। नरेला समेत भोपाल की तरक्की की राह खुल जाएगी। रोजगार के नए आयाम होंगे और शहर के इलाके एक-दूसरे से बेहतर तरीके से जुड़ सकेंगे। मंत्री सारंग के निरीक्षण के दौरान मेट्रो, एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी, नगर निगम, ट्रैफिक व जिला प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद थे।

यह है मेट्रो की ऑरेंज लाइन का दूसरा फेज

सुभाषनगर मेट्रो स्टेशन से ऑरेंज लाइन का दूसरा फेज है। ये सुभाषनगर मेट्रो स्टेशन से करोंद में भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान के सामने तक है। इस फेज के रूट में दो तरह से काम होगा। 8.77 किलोमीटर में से 3.39 किमी लंबा रूट अंडरग्राउंड रहेगा, जबकि 5.38 किमी हिस्सा जमीन के ऊपर रहेगा। दोनों के ही टेंडर हो चुके हैं।

जमीन के 15 मीटर तक मिट्टी की टेस्टिंग

पिलर के लिए जमीन के 15 मीटर तक मिट्टी की टेस्टिंग की जा रही है। वहीं, आने वाले दिनों में पाइल लोड टेस्टिंग भी होगी। इसमें पिलर वाले स्थान पर ढाई गुना तक भार रखकर टेस्ट किए जाएंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
5	हरिभूमि	भोपाल	01.08.2024	03	थ्री टियर में ट्रांसपोर्टेशन, मेट्रो के साथ फ्लाईओवर रहेगा	Positive

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, गुरुवार 1 अगस्त 2024

दूसरे फेज के कार्यों के निरीक्षण के बाद मंत्री सारंग ने दी जानकारी

थ्री टियर में ट्रांसपोर्टेशन, मेट्रो के साथ फ्लाईओवर रहेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सुभाषनगर से करोंद के बीच 8.77 किमी में जिन जगहों पर पिलर खड़े होंगे, वहां बुधवार को मंत्री विश्वास सारंग निरीक्षण करने पहुंचे और उन्होंने जानकारी दी कि करोंद चौराहे पर मेट्रो के साथ थ्री टियर में ट्रांसपोर्टेशन होगा। पहले मेट्रो और उसके बाद फिर फ्लाईओवर और सर्विस रोड निकलेगी। उन्होंने कई इलाकों में जाकर काम भी देखा। उनके साथ मेट्रो के एमडी सीबी चक्रवर्ती भी थे, जिन्होंने मेट्रो प्रोजेक्ट के बारे में पूरी जानकारी ली।

मंत्री सारंग ने कहा कि एयरपोर्ट से रत्नागिरी चौराहे तक 8 लेन भी बनेगा। इसके बाद सबसे ऊपर मेट्रो, फिर फ्लाईओवर और सर्विस रोड निकलेगी। चार साल में प्रोजेक्ट पूरा होगा। निरीक्षण के दौरान मेट्रो, एनएचएआई, पीडब्ल्यूडीए नगर निगम, ट्रैफिक व जिला प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद थे।

करोंद में मेट्रो की ऑरेंज लाइन का दूसरा फेज

सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से ऑरेंज लाइन का दूसरा फेज का काम शुरू हुआ है। सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से करोंद में भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान (आईसीएआर) के सामने तक है। इस फेज के रूट में दो तरह से काम होगा। 8.77 किलोमीटर में से 3.39 किलोमीटर लंबा रूट अंडरग्राउंड रहेगा, जबकि 5.38 किलोमीटर हिस्सा जमीन के ऊपर रहेगा। दोनों के ही टेंडर हो चुके हैं।

कुल 14.99 किलो मीटर लंबा है मार्ग

मेट्रो की ऑरेंज लाइन यानी एम्स से करोंद तक का रूट कुल 14.99 किलोमीटर लंबा है। इसमें सुभाष नगर से एम्स के बीच 6.22 किलोमीटर का प्रायोरिटी कॉरिडोर है। 8 में से 5 स्टेशनों के बीच अक्टूबर 2023 में ट्रायल रन हुआ था। रानी कमलापति, सुभाष नगर, केंद्रीय स्कूल, खोई ऑफिस और एमपी नगर के स्टेशनों का काम 95 प्रतिशत से ज्यादा पूरा हो चुका है। बाकी तीन स्टेशन डीआरएम चौराहा, एम्स और अलकापुरी स्टेशनों का भी काम अंतिम चरण में है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
6	राज एक्सप्रेस	भोपाल	01.08.2024	3	करोंद चौराहे के ऊपर चलेगी मेट्रो, बीच में फ्लाय ओवर और नीचे सर्विस रोड से चेगा ट्रैफिक	Positive

राज एक्सप्रेस
गुरुवार, 1 अगस्त 2024
सूर्यास्त (गुरुवार): 06:48
सूर्योदय (शुक्रवार): 05:46
महानगर
तापमान अधिकतम 29.1° न्यूनतम 24.4°
भोपाल 3
www.rajexpress.com

करोंद चौराहे के ऊपर चलेगी मेट्रो, बीच में फ्लाय ओवर और नीचे सर्विस रोड से चलेगा ट्रैफिक

मंत्री सारंग बोले, चार साल में पूरे होंगे निर्माण कार्य, चार लाख आबादी को मिलेगा फायदा

● भोपाल / राज न्यूज नेटवर्क

करोंद चौराहा पर थ्री टियर सिस्टम से ट्रैफिक गुजरेगा, ऊपर मेट्रो दौड़ेगी। बीच में फ्लायओवर और नीचे सर्विस रोड से वाहनों की आवाजाही होगी। अलग-अलग विकास एजेंसियों के ये निर्माण कार्य पूरे होने में चार साल लगेगा। इसका फायदा चार लाख आबादी को मिलेगा। सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने बुधवार को करोंद चौराहा पर मेट्रो कार्य के निरीक्षण के दौरान यह बात कही। साथ में मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी सिबी चक्रवर्ती, एडीएम हिमांशु चंद्रा, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के प्रोजेक्ट डायरेक्टर देवांश नुवाल और पीडब्ल्यूडी व नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे।

समन्वय के लिए बनेगी कमेटी

मंत्री सारंग ने मेट्रो और करोंद चौराहा पर प्रस्तावित ग्रेड सेपरेटर के एलाइनमेंट का निरीक्षण भी किया। उन्होंने दोनों प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन में बेहतर तालमेल के लिए कमेटी बनाने के निर्देश भी दिए। इसमें मेट्रो के साथ ही एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी, जिला प्रशासन, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस और मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अफसर रहेंगे। उन्होंने कहा कि कोई भी समस्या आती है तो मुझसे संपर्क करें।

ऐसे अलग-अलग प्रोजेक्ट से सुधरेगा करोंद चौराहे पर ट्रैफिक

एम्स से करोंद के बीच मेट्रो का संचालन किया जाना है। सुभाष नगर से एम्स रूट का कार्य तेजी से चल रहा है। अब सुभाष नगर से करोंद रूट का काम शुरू कर दिया गया है। इसमें नादरा बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन के बीच का भूमिगत हिस्सा भी शामिल है। इन दोनों स्थानों पर अंडरग्राउंड स्टेशन बनेंगे। सॉइल टेस्टिंग के साथ ही करोंद स्टेशन का कार्य चालू हो गया है। इधर, एनएचएआई एयरपोर्ट के पास सिंधिया चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक अयोध्या बायपास को आठ लेन करने जा रहा है। इसके लिए निर्माण एजेंसी के चयन की प्रक्रिया चल रही है। प्रोजेक्ट के तहत करोंद चौराहा पर ट्रैफिक सुधारने के लिए फोर लेन फ्लाय ओवर बनाया जाएगा। यह लगभग दो किमी लंबा होगा। इस ग्रेड सेपरेटर के ऊपर से मेट्रो लाइन निकलेगी। फ्लायओवर के नीचे से भी वाहन गुजरेंगे। इस तरह थ्री टियर ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम से व्यस्ततम और अनियंत्रित करोंद चौराहा पर यातायात व्यवस्था सुधर जाएगी। इसके अलावा चौराहा पर तीन सब वे का निर्माण भी किया जाएगा। इससे पदयात्रियों को चौराहा पार करने में परेशानी नहीं होगी और मेट्रो स्टेशन तक आसानी से पहुंच सकेंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
7	The Times of India	Bhopal	02.08.2024	03	Metro work at Karond intersection gets on track	Neutral

Metro work at Karond intersection gets on track

3-Tier Transport System To Be Ready In 4 Yrs

TIMES NEWS NETWORK

Bhopal: Work on new metro line and a flyover are set to revamp civic infrastructure at Karond intersection. With glitches like potholed roads in priority phase of Bhopal metro yet to be overcome, MPMRCL is expanding its wings for its largest metro development phase yet.

On Wednesday MLA and minister Vishwas Sarang inspected the site of the metro station to be built at Karond intersection under the Narela assembly. MPMRCL MD, Sibi Chakravarthy was also present.

As part of the phase I of the Bhopal Metro Project, the construction work for the Orange Line Corridor begins, creating a three-tier transportation system where the metro will run above, a flyover will be in the middle and a service road will pass below. This construction is expected to be completed over four years, according to a press release.

Sarang said, "The work of construction of metro station in Karond is in progress. At the same time, the work of flyover construction is going to start soon by NHAI. This will create a three-tier transportation system at Karond intersection."

He stressed the importance of maintaining coordination to prevent delays and ensure smooth passenger movement during construction.

"The officials of the Metro Project should coordinate with all the concerned departments, National Highway, PWD, municipal corporation, traffic police, Central Region Electricity Distribution Company, and district administration and start the work soon and if any kind of problem arises, contact me and hold coordination committee meetings from time to time to speed up the pace of work and resolve and solve the obstacles," said Sarang.

Soil testing is currently underway on the elevated corridor between Subhash Nagar and Karond station as part of the Orange Line, setting the stage for the forthcoming work on the 17-metre pier.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
8	राज एक्सप्रेस	भोपाल	02.08.2024	02	इंदौर से उज्जैन मेट्रो की तैयारी शुरू दिल्ली मेट्रो कॉर्पोरेशन बनाएगा डीपीआर	Neutral

नानाखेड़ा बस स्टैंड से इंदौर के लवकुश चौराहा को जोड़ेगी

इंदौर से उज्जैन मेट्रो की तैयारी शुरू दिल्ली मेट्रो कॉर्पोरेशन बनाएगा डीपीआर

● भोपाल / राज न्यूज नेटवर्क

प्रदेश के दो प्रमुख शहरों भोपाल और इंदौर में मेट्रो का संचालन अगले साल शुरू हो जाएगा। इस बीच आर्थिक राजधानी इंदौर से धार्मिक नगरी उज्जैन के बीच मेट्रो दौड़ाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। यह उज्जैन में नानाखेड़ा बस स्टैंड से इंदौर के लवकुश चौराहा तक चलाई जाएगी। इसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने का जिम्मा दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को दिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस साल की शुरुआत में इंदौर से उज्जैन और इंदौर से पीथमपुर तक मेट्रो संचालन की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए थे। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन इस पर कार्य कर रहा है। प्रोजेक्ट्स के लिए तकनीकी मार्गदर्शन दिल्ली मेट्रो से लिया जा रहा है। अब एक कदम आगे बढ़ते हुए इंदौर-उज्जैन मेट्रो की डीपीआर बनाने के लिए दिल्ली मेट्रो को पत्र जारी कर दिया गया है। इधर, उज्जैन मेट्रो के लिए मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान और ऑल्टरनेटिव एनालिसिस रिपोर्ट तैयार करा चुका है। इस पर शासन के साथ ही अन्य संबंधित विचार कर रहे हैं।

इंदौर में 31.55 किमी लंबा रूट मंजूर

इंदौर में मेट्रो के पहले चरण को नवंबर, 2018 में मंजूरी मिली थी। इसमें कुल 31.55 किमी लंबाई का रूट बनाया जाएगा। प्रोजेक्ट में 21 एलिवेटेड और सात भूमिगत स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा। मौजूदा स्थिति में 6.3 किमी वायाडक्ट और पांच स्टेशन व डिपो का काम चल रहा है। सितंबर-23 में मेट्रो का ट्रायल रन शुरू किया गया था। इंदौर मेट्रो के फर्ज फेज के लिए 7500.80 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई थी। एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) और न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) से 3200 करोड़ रुपए का लोन लिया जाएगा। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप से 440 करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे। केंद्र व राज्य सरकार से 906-906 करोड़ रुपए इक्विटी के तौर पर मिलेंगे।

पचमढ़ी में टाइगर रिजर्व के नजदीक एयर स्ट्रिप निर्माण पर लगाई रोक

वाइल्ड लाइफ और पर्यावरण क्लियरेंस लेना होगी

भोपाल। पचमढ़ी में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के नजदीक एयर स्ट्रिप के विस्तार का काम दोबारा शुरू करने पर एनजीटी की सेंट्रल बेंच ने रोक लगा दी है। इसके लिए नेशनल वाइल्ड लाइफ बोर्ड व नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी से विलयरेंस लेना होगी। पर्यावरण अनुमति भी प्राप्त करना होगी। साथ ही प्रोजेक्ट पर कार्य शुरू करने के पहले फ्लाइट के संचालन से वन्य जीवन और प्राणी समूह पर होने वाले असर की स्टडी करना होगी। ट्रिब्यूनल ने राज्य सरकार को प्रोजेक्ट से पर्यावरण को पहुंचने वाले नुकसान का अलग से अध्ययन कराने के भी आदेश दिए है। यह स्टडी आईआईएम, आईआईटी या नीरी जैसे किसी राष्ट्रीय स्तर के संस्थान से कराने क लिए कहा है। स्टडी और इसकी रिपोर्ट में की गई सिफारिशो पर अमल का खर्च भी राज्य शासन को उठाना होगा। साथ ही बेंच ने वन मंत्रालय के डायरेक्टर जनरल, एमपी सिया, चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन मप्र, नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी, विमानन के प्रमुख सचिव, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर और मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव को भी पार्टी बनाया है।

पर्यावरण मंत्रालय ऐसी गतिविधियों के लिए बनाए एसओपी

वन एवं पर्यावरण मंत्रालय को ईको सेंसेटिव जोन के आसपास इस तरह की विमानन गतिविधियो के स्टैंडर्ड ऑपरेशन प्रोसीजर (एसओपी) तैयार करने के लिए भी कहा है। केंद्र सरकार के वन मंत्रालय के डायरेक्टर जनरल और राज्य के वन विभाग के प्रमुख सचिव को व्यक्तिगत तौर से यह मामला देखने और सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है कि नियमो का उल्लंघन न हो। केंद्र के संयुक्त सचिव या उससे उच्च स्तर के अधिकारी को हलफनामा देने के लिए भी कहा है।

बंद पड़ी थी हवाईपट्टी, लंबाई बढ़ा रहे: ब्रजेश कुमार भारद्वाज ने एनजीटी में याचिका लगा कर कहा था कि पचमढ़ी हवाई पट्टी बंद पड़ी थी। अब इसका विस्तार करते हुए लंबाई 1200 मीटर से 1800 मीटर की जा रही है। ईको सेंसेटिव जोन सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की बाउंड्री के नजदीक यह एयर स्ट्रिप है। आरोप लगाया था कि निर्माण पर्यावरण नियमो का उल्लंघन है और इसके लिए जरूरी अनुमतियां व विलयरेंस नही ली गई है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
9	पत्रिका	भोपाल	02.08.2024	05	मेट्रो को पार्टनर की तलाश	Neutral

पत्रिका

जन नीति भागीदारी के तहत निजी एजेंसियों को निर्माण में शामिल करेंगे

मेट्रो को पार्टनर की तलाश

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की तरह अब मेट्रो भी पीपीपी से आगे बढ़ेगी, अभी साढ़े तीन हजार करोड़ रुपए के लोन से बनाई जा रही

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मेट्रो ट्रेन के अगले चरण अब पीपीपी यानी पब्लिक प्रायवेट पार्टनरशिप मोड से तैयार होंगे। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन को विकसित करे जिस तरह निजी भागीदारी से काम किया, वैसी ही इसमें भी होगी। मेट्रो ट्रेन की नई पॉलिसी के तहत इसके प्रावधान किए हैं। शहर में 97 किमी की छह लाइनों पर काम होना है। इसके अतिरिक्त अभी सीहोर और आसपास के शहरों के लिए भी प्लान किया जा रहा है। ऐसे में जन निजी भागीदारी से मेट्रो को तैयार किया जाएगा।

इसलिए पीपीपी

केंद्र व राज्य सरकार अभी शुरुआती 30 किमी के लिए 50 फीसदी भागीदारी दे रही हैं। कुल 6 हजार 941 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट में केंद्र-राज्य अनुदान हटाएं तो करीब साढ़े तीन हजार करोड़ रुपए का लोन लिया गया हैं। लोन की राशि अभी मिलना शुरू हुई हैं। प्रति किमी 260 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च हो रही है। ऐसे में निजी भागीदार की मदद से वित्तीय दिक्कत दूर करने की कोशिश की जा रही है।

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट तय करने सरकर ने पॉलिसी बनाई हुई है। पीपीपी से काम करने का उल्लेख उसमें हैं। इससे तेजी से काम किया जाएगा।

नीरज मंडलोई,
पीएस शहरी आवास एवं विकास

97 किमी का पूरा नेटवर्क, 26 हजार करोड़ जुटाने होंगे

भोपाल में मेट्रो ट्रेन का कुल नेटवर्क 97 किमी है। इसे तैयार करने का कुल बजट 26 हजार करोड़ रुपए हैं। इसमें से सात हजार करोड़ रुपए की राशि 30 किमी के लिए तय की जा चुकी हैं। काम की 80 फीसदी टेंडरिंग भी हो गई। 50 फीसदी ईआइबी से लोन लिया हैं। बचे हुए 67 किमी के लिए अब करीब 18 हजार करोड़ रुपए की व्यवस्था करना होगी। यही राशि पीपीपी से जुटाई जाएगी।

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट

6941 करोड़ रुपए में पहले चरण की दो लाइनो को लिया है

26 हजार करोड़ रुपए है पूरे प्रोजेक्ट का खर्च आज की स्थिति में

96.61 किलोमीटर की लंबाई

2.20 लाख राइडरशिप 2027 में दावा

266 करोड़ रुपए प्रतिकिमी बन रहा खर्च

30 ठेका कंपनियां कर रही काम

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए इस समय भोपाल मेट्रो के साथ कुल 30 ठेका एजेंसियां काम कर रही है। इसमें वाया डक्ट निर्माण से लेकर सिग्रलिंग सिस्टम, टिकटिंग सिस्टम, स्टेशन निर्माण, इलेक्ट्रिफिकेशन का काम, अंडरग्राउंड टनल, अंडरग्राउंड स्टेशन, सेफ्टी असेसनिंग से लेकर अन्य काम है।

ऐसे मेट्रो लाइन

- करौंद से एम्स
- भदभदा से रत्नागिरी
- बैरागढ़ से अवधपुरी
- भौंरी बायपास से वसंतकुंज
- अशोका गार्डन से कोलार मदर टेरेसा
- हबीबगंज नाका से मंडीदीप तक

यहां कर चुके पीपीपी

पीपीपी से दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट लाइन पर काम किया गया

मुंबई की लाइन एक पर पीपीपी से काम हुआ, जिसमें तीन निजी भागीदारों ने राशि दी

02/08/2024 | Bhopal | Page : 5
Source : https://epaper.patrika.com/

MP METRO NEWS
06th August 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	राज एक्सप्रेस	भोपाल	06.08.2024	03	डिपो चौराह-रत्नागिरी तिराहा मेट्रो रूट का भी रास्ता साफ	Neutral

राज एक्सप्रेस
मंगलवार, 6 अगस्त 2024
सूर्यास्त (मंगलवार): 06:59
सूर्योदय (बुधवार): 05:53
महानगर
तापमान अधिकतम 29.4° न्यूनतम 23.6°
भोपाल 3
www.rajexpress.com

▶ कंपनी लगभग फाइनल, ईआईबी की हरी झंडी का इंतजार

डिपो चौराहा-रत्नागिरी तिराहा मेट्रो रूट का भी रास्ता साफ

तीन-चार महीने के अंदर काम शुरू होने की संभावना

● भोपाल / राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी में मेट्रो के दूसरे रूट के निर्माण का रास्ता साफ होता नजर आ रहा है। डिपो चौराहा से रत्नागिरी तिराहा रूट बनाने के लिए कंपनी लगभग फाइनल हो गई है। अब यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक (ईआईबी) से केवल हरी झंडी की औपचारिकता बाकी है। ऐसे में निर्माण कार्य तीन से चार महीने में शुरू होने की संभावना है।

मेट्रो के पहले चरण दो रूट की केंद्र व राज्य सरकार से मंजूरी मिली है। डीपीआर में इन पर करीब 6941 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान लगाया गया है। एम्स से करोंद के पहले रूट के आधे हिस्से का कार्य दिसंबर-2018 में शुरू किया गया था। सुभाष नगर से एम्स तक लगभग सात किमी लंबा एलिवेटेड रूट तैयार होने की कगार पर पहुंच चुका है। अधिकांश स्टेशन भी बन चुके हैं। इस हिस्से में अगले साल जून तक मेट्रो का संचालन शुरू करने का टारगेट है। इधर, सुभाष नगर से करोंद रूट का काम भी शुरू कर दिया गया है। एलिवेटेड रूट व स्टेशन के साथ ही इसमें भूमिगत मार्ग और स्टेशन भी शामिल हैं। प्लेटफॉर्म नं 6 के पास स्टेशन बनाने के लिए प्रशासन साइट क्लियर करा रहा है। सॉइल टेस्टिंग भी चल रही है। नादरा बस स्टैंड से भोपाल रेलवे स्टेशन के बीच अंडरग्राउंड ट्विन टनल में मेट्रो दौड़ेगी। यह करीब एक किमी लंबा होगा। एक टनल से अप और दूसरी से डाउन लाइन की मेट्रो चलेगी। यह कार्य तीन से साढ़े तीन साल में पूरा का लक्ष्य कॉर्पोरेशन ने रखा है।

1122 करोड़ रुपए खर्च होंगे, तीन साल में बनेगा

डिपो (भदभदा) चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक का दूसरा रूट करीब 13 किमी लंबा होगा। यह पूरा एलिवेटेड यानि जमीन के ऊपर रहेगा। इसके लिए 13 एलिवेटेड स्टेशन बनाए जाएंगे। भदभदा चौराहा, डिपो चौराहा, जवाहर चौक, रोशनपुरा चौराहा, कुशाभाऊ ठाकरे हॉल, परेड ग्राउंड, प्रभात चौराहा, गोविंदपुरा, गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जेके रोड, इंद्रपुरी, पिपलानी और रत्नागिरी तिराहा पर स्टेशन बनेंगे। बताया जा रहा है गोविंदपुरा इंडिस्ट्रयल एरिया में स्टेशन नया जोड़ा गया है। मिटो हॉल स्टेशन का नाम कुशाभाऊ ठाकरे हॉल कर दिया है। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इसके निर्माण पर 1122 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान लगाया है। इसमें स्टेशन भी शामिल है। यह राशि यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक से कर्ज के तौर पर मिलेगी। कॉर्पोरेशन ने पिछले साल निर्माण एजेंसी के चयन के लिए ऑफर बुलाए थे। अब कंपनी फाइनल हो पाई है। स्वीकृति पत्र (एलओए) जारी करने की तैयारी है। चयनित एजेंसी को तीन साल में निर्माण कार्य पूरा करना होगा।

दूसरे रूट के लिए तकनीकी व वित्तीय मूल्यांकन की प्रक्रिया हो चुकी है। ईआईबी की मंजूरी के लिए कंपनी का नाम भेजा है।

■ सिबी चक्रवर्ती
एमडी, मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन

MP METRO NEWS

12th August 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	हरि भूमि	भोपाल	12.08.2024	3	तीन माह बाद शुरू हुआ ट्रैक बनाने गर्डर रखने का काम	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, सोमवार 12 अगस्त 2024
3

हबीबगंज रेलवे क्रॉसिंग पर मेट्रो स्टील ब्रिज के लिए चल रहा निर्माण कार्य

तीन माह बाद शुरू हुआ ट्रैक बनाने गर्डर रखने का काम

- *क्रॉसिंग और डीआरएम ऑफिस तक सड़क पर बनेंगे दो स्टील ब्रिज*
- *इस माह के अंत तक पूरा स्टील ब्रिज तैयार हो जाएगा*

सावरकर सेतु की तरफ तीन माह बाद गर्डर रखने का काम भी शुरू हुआ, जिससे रानी कमलापति स्टेशन तक ट्रैक बनना है

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल मेट्रो कंपनी द्वारा सुभाष नगर से एम्स तक मेट्रो संचालन की पूरी तैयारी कर ली गई है। इस रूट पर बनने वाले हबीबगंज रेलवे क्रॉसिंग और क्रॉसिंग से डीआरएम ऑफिस तक स्टील ब्रिज बनाने की तैयारी है। रेलवे से ब्लॉक मिलने का इंतजार है, उसके तुरंत बाद ही सड़क पर रखे हुए दोनों स्टील ब्रिज ऊपर रख दिए जाएंगे। इसके साथ ही सावरकर सेतु के पास गर्डर रखने का काम भी शुरू हो गया है। इन गर्डर के रखने के बाद रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से ट्रैक का काम भी शुरू हो जाएगा। इन गर्डर का काम तीन माह पहले ही हो जाना चाहिए था।

मेट्रो अधिकारियों के अनुसार इस हफ्ते ब्लाक मिलने की उम्मीद है। रेलवे क्रासिंग और सड़क के ऊपर बनने वाले ब्रिज को नीचे ही तैयार कर लिया गया है। दिल्ली के पंजाबी बाग की तर्ज पर 65 मीटर लंबा और 10 मीटर चौड़ा 350 टन स्टील ब्रिज पहले एक ही बन रहा था। बाद में दूसरे की भी तैयारी कर ली गई। अब एक की जगह दो बन रहे हैं। एम्स से सुभाष नगर तक के 6.22 किमी के प्रायोरिटी रूट पर हबीबगंज रेलवे क्रॉसिंग से डीआरएम ऑफिस तक बाधा बची थी। कंपनी अधिकारियों के अनुसार इस माह के अंत तक पूरा ब्रिज तैयार हो जाएगा।

पांच स्टेशन बनकर तैयार

मेट्रो के पांच स्टेशन का इंटीरियर वर्क पूरा हो गया है। एम्स तक तीन और स्टेशन तैयार किए जा रहे हैं। जबकि तैयार हो चुके पांच स्टेशनों का बाहरी वर्क के काम में तेजी लाई गई है, जिससे इस माह इन स्टेशनों का काम पूरा हो सके। वहीं वर्तमान वित्तीय वर्ष में सुभाष नगर से एम्स तक के सभी काम पूरे हो जाएंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
12	दैनिक भास्कर	भोपाल	12.08.2024	07	मेट्रो... नट-बोल्ट से लेकर मशीनरी तक की लोकल सप्लाई कराने की कोशिश	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 12-08-2024 Pg-07

भोपाल

मेट्रो कारपोरेशन का फिक्की को पत्र- बायर सेलर मीट हो

मेट्रो... नट-बोल्ट से लेकर मशीनरी तक की लोकल सप्लाई कराने की कोशिश

विशेष संवाददाता | भोपाल

मप्र में लगभग 15 हजार 500 करोड़ रुपए की लागत से भोपाल और इंदौर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट पर काम हो रहा है। अब मेट्रो कारपोरेशन का प्रयास है कि दोनों प्रोजेक्ट में अधिक से अधिक लोकल सप्लाई से काम किया जाए। कारपोरेशन ने उद्योग संगठनों सीआईआई और फिक्की को पत्र लिखकर बायर सेलर मीट करने के लिए सहयोग मांगा है। दोनों संगठनों की सहायता से ऐसे सप्लायर ढूंढे जाएंगे, जो चीजें सप्लाई कर सकें। इनमें नट बोल्ट से लेकर सिग्नलिंग, लाइटिंग, स्टील फेब्रिकेशन, सेफ्टी इक्विपमेंट, रेल लाइन वेल्डिंग, सिविल कामों से जुड़े इंटीरियर वर्क, पावर सप्लाई से जुड़े उपकरण, ब्रिज बियरिंग्स, जेसीबी मशीन, क्रेन, लोडर्स सहित छोटी बड़ी तमाम मशीनरी आदि की सप्लाई प्रदेश की कंपनियों से हो सकती है।

अधिकारियों के मुताबिक अभी सिविल कंस्ट्रक्शन का सामान आदि ही ज्यादातर लोकल सप्लाई में लिए जाता है। काफी सप्लाई प्रदेश के बाहर से ही हो रही है। कॉर्पोरेशन का मानना है कि अगर 5 से 10% तक भी सप्लाई का हिस्सा भोपाल, इंदौर, रायसेन, धार जैसे जिलों से आता है तो लोकल इकॉनामी को बहुत फायदा मिलेगा।

बायर-सेलर मीट के लिए सीआईआई और फिक्की के लिए पत्र लिखा है। जल्द आयोजन करने की तैयारी है।

- सिबि चक्रवर्ती,
एमडी -एमपी मेट्रो कॉर्पोरेशन

गोविंदपुरा, मंडीदीप की कंपनियां कर सकती हैं सप्लाई

गोविंदपुरा में स्टील फेब्रिकेशन सहित इंजीनियरिंग उत्पादों के कई निर्माता हैं। वहीं मंडीदीप में हाई इंजीनियरिंग, रेलवे इंजन पार्ट्स, हाई प्रेसिजन इंस्ट्रूमेंट्स, ब्रिज बियरिंग्स जैसे सहित कई कंपनियां हैं। वहीं इंदौर और पीथमपुर (धार) में भी कई ऐसी कंपनियां हैं,जो छोटे नट-बोल्ट से लेकर आधुनिक मशीनरी बनाती हैं। इन सबकी सप्लाई मेट्रो कारपोरेशन के कामों में हो सकती है। अभी 4-5 बड़ी कंपनियां मेट्रो प्रोजेक्ट्स से जुड़ी हैं,जबकि इनके लिए कई छोटे-छोटे कांट्रेक्टर काम कर रहे हैं।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
13	पत्रिका	भोपाल	12.08.2024	02	रेलवे ट्रैक पर रखेंगे दो स्टील के गार्डर	Neutral

BHOPAL PRIME
भोपाल प्राइम

पत्रिका
भोपाल, सोमवार, 12 अगस्त 2024 02

रेलवे ट्रैक पर रखेंगे दो स्टील के गार्डर

भोपाल. भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट और ऐशबाग ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। जल्द ही दो स्टील गार्डर ऐशबाग स्टेडियम के पास रेलवे ट्रैक के ऊपर रखे जाएंगे। इसके चलते रेलवे ब्लॉक लेने की तैयारी कर रही है।

MP METRO NEWS
14th August 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
14	दैनिक भास्कर	भोपाल	14.08.2024	02	मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट: रिंग रोड पर चल रहा काम	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 14-08-2024 Pg-02

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट • रिंग रोड पर चल रहा काम

रोबोट चौराहा से खजराना तक बैरिकेडिंग की, मिट्टी परीक्षण शुरू

भास्कर संवाददाता | इंदौर

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट में रिंग रोड पर अब रोबोट चौराहा से खजराना चौराहे तक बैरिकेडिंग कर मिट्टी परीक्षण शुरू किया गया है। बैरिकेड्स लगाने से रोबोट चौराहा से आने वाले ट्रैफिक को परेशानी हुई। हालांकि रोबोट चौराहा के आगे मेट्रो के रूट को लेकर अभी भी गफलत है। मेट्रो रेल कॉरपोरेशन रूट सर्वे कर रिपोर्ट भी दे चुका है। एक महीने में सर्वे किया जाना था। दो महीने बाद भी इस पर निर्णय नहीं हो सका है। अब तक जनप्रतिनिधियों की बैठक नहीं हुई है। रूट को लेकर पेंच आने के बाद प्रोजेक्ट में दो महीने से काम की गति धीमी चल रही है।

रोबोट चौराहा से कनाड़िया होते हुए पलासिया तक का टेंडर कॉरपोरेशन जारी कर चुका है। इसके बाद ठेकेदारों ने काम करना भी शुरू कर दिया, लेकिन इसी बीच नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बैठक ली। सभी जनप्रतिनिधियों ने कनाड़िया रोड पर संभावित तोड़फोड़ को लेकर आपत्ति दर्ज करवाई। इसके बाद तय किया गया कि इसके अलावा मेट्रो के अन्य रूट पर भी सर्वे कर संभावना तलाशी जाए। उसके बाद आगे काम करने पर रोक लग चुकी है।

बैरिकेड्स लगाकर रिंग रोड पर चल रहा काम।

मेट्रो को बंगाली से अंडरग्राउंड करना हो तो खजराना से तैयारी करना होगी

बंगाली चौराहा से मेट्रो को अंडरग्राउंड करना हो तो इसकी तैयारियां खजराना चौराहा से ही करना होगी। हालांकि ठेकेदारों को कॉन्ट्रैक्ट लेने वाली कंपनी ने कोई निर्देश जारी नहीं किए हैं। इसी कारण वहां बैरिकेडिंग कर दी गई। जून में बैठक में मेट्रो के रूट को लेकर पेंच फंसा था। रूट को लेकर सर्वे में भी कॉरपोरेशन ने रोबोट चौराहा के आगे से ही इसे अंडरग्राउंड करने को ज्यादा सही बताया है। अन्य रूट के विकल्प पर होने वाली दिक्कतों के कारण वहां मेट्रो ले जाना संभव नहीं होगा।

MP METRO NEWS

15th August 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
15	हरि भूमि	भोपाल	15.08.2024	03	विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस प्रदर्शनी के माध्यम से देश को विभाजन का आघात दर्शाया, इतिहास भी बताया	Neutral

मॉक अप साइट स्मार्ट पार्क में किया आयोजन

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर प्रदर्शनी के माध्यम से देश को विभाजन का आघात दर्शाया, इतिहास भी बताया

मेट्रो मॉक अप साइट पर कंपनी के एमडी सिबी चक्रवर्ती ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश मेट्रो द्वारा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस की प्रदर्शनी का आयोजन मेट्रो मॉक अप साइट व स्मार्ट पार्क श्यामला हिल्स में किया गया। मेट्रो मॉक अप साइट पर कंपनी के एमडी सिबी चक्रवर्ती द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के विभाजन के कारण अपनी जान गंवाने वाले और अपनी जड़ों से विस्थापित होने वाले सभी लोगों को उचित श्रद्धांजलि के रूप में भारत सरकार ने हर साल 14 अगस्त को उनके बलिदान को याद करने के दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया है।

सीबी चक्रवर्ती ने कहा कि भारत को 15 अगस्त 1947 को ब्रिटिश शासन से आजादी मिली। स्वतंत्रता दिवस हर साल 15 अगस्त को मनाया जाता है। किसी भी राष्ट्र के लिए एक खुशी और गर्व का अवसर होता है।

स्वतंत्रता की मिठास के साथ देश को विभाजन का आघात भी सहना पड़ा। कंपनी द्वारा प्रदर्शनी के माध्यम से इतिहास और प्रगति पर गहराई से चिंतन करने को प्रेरित किया। प्रदर्शनी में दर्शाया गया है कि कैसे लाखों लोग नफरत और हिंसा के कारण अपने घरों से विस्थापित हुए और नई जिंदगी की तलाश में निकल पड़े। मेट्रो की प्रदर्शनी में एमडी के साथ ही राजेश सोनी निदेशक सिस्टम, शोभित टंडन निदेशक प्रोजेक्ट, अजय गुप्ता सहित अन्य मेट्रो के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
16	नवदुनिया	भोपाल	15.08.2024	IV	विभाजन के दर्द को बयां करती तस्वीरें देख हुए भावुक	Neutral

IV नवदुनिया भोपाल, गुरुवार, 15 अगस्त, 2024

विभाजन के दर्द को बयां करती तस्वीरें देख हुए भावुक

मध्य प्रदेश मेट्रो ने 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के अवसर पर श्यामला हिल्स स्मार्ट पार्क मेट्रो माक-अप-साइट में एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया। यह प्रदर्शनी मेट्रो के प्रबंध संचालक सिबी चक्रवर्ती के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिन्होंने सुबह 11 बजे प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विभाजन के समय हुए मानवीय संकट और विस्थापन को याद करना और जनता के बीच उस समय की भयावहता के प्रति जन चेतना फैलाना था। प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया कि कैसे लाखों लोग नफरत और हिंसा के कारण अपने घरों से विस्थापित हुए और नई जिंदगी की तलाश में निकल पड़े। प्रदर्शनी को देखने आए दर्शक विभाजन के दुख, दर्द और तकलीफों को देखकर भावुक नजर आए।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
17	पत्रिका	भोपाल	15.08.2024	10	याद किया विभाजन का दर्द, प्रदर्शनी के जरिए दर्शाया मंजर	Neutral

पत्रिका

याद किया विभाजन का दर्द, प्रदर्शनी के जरिए दर्शाया मंजर

भोपाल. देश भर में 14 अगस्त का दिन भारत के विभाजन के लिए याद किया जाता है। बुधवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर भी शहर में जगह-जगह लोगों ने इस दर्दनाक घटना को भाव विभोर होकर याद किया। इस दौरान बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जगह-जगह चित्र प्रदर्शनी में विभाजन की विभीषिका को दर्शाया गया।

रेल मंडल की डिजिटल प्रदर्शनी: रेल प्रशासन और मेट्रो कारपोरेशन द्वारा देश विभाजन की विभीषिका को लेकर फोटो प्रदर्शनी एवं डिजिटल प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। इन प्रदर्शनियों में चित्रों के माध्यम से देश विभाजन के दौरान लोगों द्वारा झेली गई कठिनाइयों और तत्कालीन इतिहास की सच्चाई से रूबरू कराने का प्रयास किया गया है।

15/08/2024 | Bhopal |
Page : 10
Source :
https://epaper.patrika.com
/

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
18	अक्षरविश्व	भोपाल	15.08.2024	9	मध्य प्रदेश मेट्रो ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर लगाई प्रदर्शनी	Neutral

मध्यप्रदेश मेट्रो ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर लगाई प्रदर्शनी

भोपाल। मध्यप्रदेश मेट्रो द्वारा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस की प्रदर्शनी का आयोजन मेट्रो मॉक-अप साइट स्मार्ट पार्क श्यामला हिल्स में किया गया। प्रदर्शनी का आयोजन मेट्रो के प्रबंध संचालक सिबी चक्रवर्ती के नेतृत्व में किया गया। प्रातः ग्यारह बजे मेट्रो मॉक अप साइट पर सिबी चक्रवर्ती द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया गया। मध्य प्रदेश मेट्रो द्वारा प्रदर्शनी के माध्यम से इतिहास और प्रगति पर गहराई से चिंतन करने को प्रेरित किया। इसका मुख्य उद्देश्य विभाजन के दौरान हुए मानवीय संकट और विस्थापन को स्मरण करना है। प्रदर्शनी में दर्शाया गया है कि कैसे लाखों लोग नफरत और हिंसा के कारण अपने घरों से विस्थापित हुए और नई ज़िंदगी की तलाश में निकल पड़े।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
19	स्वतंत्र समय	भोपाल	15.08.2024	9	विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस की प्रदर्शनी का आयोजन	Neutral

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस की प्रदर्शनी का आयोजन

स्वतंत्र समय, भोपाल

आज मध्य प्रदेश मेट्रो द्वारा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस की प्रदर्शनी का आयोजन, मेट्रो मॉक-अप साइट, स्मार्ट पार्क, श्यामला हिल्स में किया गया ।प्रदर्शनी का आयोजन मेट्रो के प्रबंध संचालक सिबी चक्रवर्ती के नेतृत्व में किया गया। प्रातः ग्यारह बजे मेट्रो मॉक अप साइट पर सिबी चक्रवर्ती द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया गया । राष्ट्र के विभाजन के कारण अपनी जान गंवाने वाले और अपनी जड़ों से विस्थापित होने वाले सभी लोगों को उचित श्रद्धांजलि के रूप में, भारत सरकार ने हर साल 14 अगस्त को उनके बलिदान को याद करने के दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया।भारत को 15 अगस्त, 1947 को ब्रिटिश शासन से आजादी मिली। स्वतंत्रता दिवस, जो हर साल 15 अगस्त को मनाया जाता है, किसी भी राष्ट्र के लिए एक खुशी और गर्व का अवसर होता है। हालाँकि, स्वतंत्रता की मिठास के साथ-साथ देश को विभाजन का आघात भी सहना पड़ा।मध्य प्रदेश मेट्रो द्वारा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस प्रदर्शनी के माध्यम से इतिहास और प्रगति पर गहराई से चिंतन करने को प्रेरित किया। केंद्र सरकार की मुहिम पर %विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस% देश भर में 14 अगस्त को मनाया जाता है। इस आयोजन से जनता में विभाजन की विभीषिका की भयावहता के सदर्भ में जनचेतना फैलेगी। इसका मुख्य उद्देश्य विभाजन के दौरान हुए मानवीय संकट और विस्थापन को स्मरण करना है।

Bhopal Metro News

22nd August 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
20	Haribhoomi	Bhopal	22.08.2024	3	चेतन्य बने मप्र मेट्रो कंपनी के एमडी	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, गुरु ▮ 22 अगस्त 2024

चक्रवर्ती के विदाई समारोह में संभाला कार्यभार

चेतन्य बने मप्र मेट्रो कंपनी के एमडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) के प्रबंध निदेशक के रूप में बुधवार को एस कृष्ण चैतन्य ने कार्यभार संभाल लिया। मध्यप्रदेश कैडर के आईएएस चैतन्य 2013 बैच के हैं।

एमपीएमआरसीएल में इस नियुक्ति से पहले चैतन्य मध्यप्रदेश राज्य रोजगार परिषद पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने जिला दमोह के कलेक्टर भी रहे हैं। उन्होंने काकतीय विश्वविद्यालय वारंगल से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। एमबीए की डिग्री प्राप्त की है। उनके व्यापक अनुभव से एमपीएमआरसीएल परियोजनाओं के समय पर कार्यान्वयन करने के लिए उन्हें यह पद दिया गया है। सिबी चक्रवर्ती को अधिकारियों ने उनके नेतृत्व के लिए धन्यवाद दिया।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
21	Navduniya	Bhopal	22.08.2024	5	मेट्रो रेल कार्पोरेशन के नए एमडी ने किया पदभार ग्रहण	Neutral

मेट्रो रेल कार्पोरेशन के नए एमडी ने किया पदभार ग्रहण

भोपाल : मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) के नए प्रबंध निदेशक (एमडी) आइएएस एस. कृष्ण चैतन्य ने बुधवार को पदभार ग्रहण किया। मध्य प्रदेश कैडर के 2013 बैच के आइएएस अधिकारी चैतन्य भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों में सेवाएं दे चुके हैं। इस नियुक्ति से पहले चैतन्य ने मध्य प्रदेश राज्य रोजगार परिषद, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य किया। उन्होंने दमोह जिले के कलेक्टर के रूप में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। आइएएस सिबी चक्रवर्ती ने बुधवार को मेट्रो रेल कार्पोरेशन का कार्यभार एस कृष्ण चैतन्य को सौंपा। -नप्र

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
22	Patrika	Bhopal	22.08.2024	02	मेट्रो के नए एमडी एस कृष्ण चैतन्य ने संभाला कार्यभार	Neutral

BHOPAL PRIME
भोपाल प्राइम

पत्रिका
भोपाल, गुरुवार, 22 अगस्त 2024 02

मेट्रो के नए एमडी एस कृष्ण चैतन्य ने संभाला कार्यभार

भोपाल @ पत्रिका. मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) के नए एमडी के तौर पर एस कृष्ण चैतन्य ने बुधवार को कार्यभार लिया। शाम को कारपोरेशन कार्यालय पहुंचे चैतन्य ने पूर्व एमडी सिखी चक्रवर्ती के विदाई कार्यक्रम में भी भाग लिया। मेट्रो ट्रेन कोच मॉडल देकर चक्रवर्ती को विदाई दी गई। चैतन्य मध्य प्रदेश कैडर के 2013-बैच के आईएएस अधिकारी हैं।इस नियुक्ति से पहले

चैतन्य ने मध्य प्रदेश राज्य रोजगार परिषद, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में काम किया।

Bhopal Metro News

23rd August 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
23	Free Press Journal	Bhopal	23.08.2024	05	Chaitanya takes charge as MD of MPMRCL	Neutral

www.freepressjournal.in

Pg-05

bhopal
Bhopal, Friday, 23 August 2024

Chaitanya takes charge as MD of MPMRCL

INDORE: S Krishna Chaitanya, IAS, takes over as the managing director of Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited. Chaitanya, a 2013-batch IAS officer of the Madhya Pradesh cadre, brings with him a wealth of experience.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
24	Dainik Jagran	Bhopal	23.08.2024	12	रेलवे ट्रैक के ऊपर मेट्रो के स्टील ब्रिज के लिए 33.5 मीटर लंबे गर्डर रखे गए	Neutral

दैनिक जागरण
Pg-12
भोपाल, 23 अगस्त 2024
विविध
www.djmp.in/epaper

रेलवे ट्रैक के ऊपर मेट्रो के स्टील ब्रिज के लिए 33.5 मीटर लंबे गर्डर रखे गए

एक और ब्लॉक मिलेगा, जिसमें 416 टन वजनी ओवन वेब गर्डर रखे जाएंगे

जागरण, भोपाल। भोपाल मेट्रो के स्टील ब्रिज के लिए रेलवे ट्रैक के ऊपर 33.5 मीटर लंबे गर्डर रख दिए गए हैं। अब एक और ब्लॉक मिलेगा। जिसमें 65 मीटर लंबे और 416 टन वजनी ओवन वेब गर्डर रखे जाएंगे। बता दें कि आरकेएमपी से डीआरएम ऑफिस के बीच रेलवे लाइन है। इसलिए 65 मीटर लंबा स्टील ब्रिज असेंबल किया गया। दोनों ओर कई महीने पहले ही पिलर खड़े हो चुके थे। रेलवे के ब्लॉक का इंतजार मेट्रो के अफसर कर रहे थे। यह ब्लॉक मिलते ही दोनों ओर गर्डर रख दिए गए। इस ब्रिज की चौड़ाई 15 मीटर और ऊंचाई 14 मीटर रहेगी। ताकि, नीचे ट्रेनें आसानी से गुजर सके।

मार्च में काम की शुरुआत हुई

इसी साल जनवरी-फरवरी में ब्रिज के पार्ट्स अलवर से भोपाल आ गए थे। जिन्हें मार्च में असेंबल करना शुरू किया गया। मार्च में काम की शुरुआत की गई। करीब छह महीने से रास्ता भी डायवर्ट किया गया है। दूसरी ओर, डीआरएम ऑफिस तिराहे की सड़क के ऊपर ब्रिज के पॉर्ट्स असेंबल किए जा चुके हैं। इसे भी पिलर के ऊपर रखा जाएगा। रेलवे क्रॉसिंग के बाद दूसरा ब्रिज डीआरएम ऑफिस चौराहे पर 48 मीटर लंबा और 8 मीटर चौड़ा ब्रिज बनेगा। यह भी 14 मीटर ऊंचा रहेगा। ब्रिज बनने के बाद नीचे गाड़ियां निकलेगी तो ऊपर मेट्रो गुजरेगी।

200 टन वजनी क्रेन का उपयोग किया

मेट्रो कॉर्पोरेशन के अफसरों ने बताया कि भोपाल मेट्रो प्रॉयोरिटी कॉरिडोर के लिए हबीबगंज नाका रेलवे क्रॉसिंग पर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सफलतापूर्वक पूरा किया। भारतीय रेलवे द्वारा दिए गए 2 घंटे के ब्लॉक के भीतर में 200 टन क्रेन का उपयोग करके रेलवे ट्रैक पर दो 33.5 मीटर एमजी गर्डर स्थापित किए हैं। अगला प्रमुख कार्य 65 मीटर और 416 टन के ओपन वेब गर्डर की स्थापना है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
25	Haribhoomi	Bhopal	23.08.2024	3	रेलवे ने दिया ब्लॉक रखे गए मेट्रो के गर्डर	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, शुक्रवार 23 अगस्त 2024

रेलवे ने दिया ब्लॉक रखे गए मेट्रो के गर्डर

भोपाल। हबीबगंज क्रॉसिंग पर भोपाल मेट्रो प्रॉयोरिटी कॉरिडोर के लिए बन रहे स्टील ब्रिज के लिए रेलवे ने गुरुवार को दो घंटे का ब्लॉक दे दिया, जिसके बाद मेट्रो कंपनी ने सफलतापूर्वक 33.5 मीटर के दो गर्डर रख दिए। मेट्रो कंपनी ने यह गर्डर दो 200 टन की क्रेन से रखने में सफलता प्राप्त की।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
26	Patrika	Bhopal	23.08.2024	02	दो घंटे के ब्लॉक में क्रेन से रखी 33.5 मीटर एमजी गर्डर	Neutral

BHOPAL PRIME
भोपाल प्राइम

पत्रिका
भोपाल, शुक्रवार, 23 अगस्त 2024 02

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट

दो घंटे के ब्लॉक में क्रेन से रखी 33.5 मीटर एमजी गर्डर

भोपाल @ पत्रिका. मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत गणेश मंदिर से एम्स की ओर रेलवे लाइन पर 33.5 मी एमजी गर्डर को रख दिया गया। इसके लिए रेलवे से 2 घंटे का ब्लॉक लिया। इसके लिए 200 टन क्षमता वाली क्रेन का उपयोग किया गया। अब इस गर्डर पर फैब्रिकेटेड स्टील के ब्रिज को खींचकर रेलवे लाइन पर रखा जाएगा। बीते कई महीनो से इसके लिए प्रक्रिया की जा रही थी। ब्रिज को जमीन से ऊपर ही अस्थाई लोहे के खंबो पर तैयार किया गया। 33.5 मीटर की गर्डर पर 65 मी लंबा फैब्रिकेटेड ब्रिज खींच कर लाया जाएगा। मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अनुसार यह एक बड़ी कामयाबी हैं। इसके लिए रेलवे से अचानक ब्लॉक मिला। उनकी तैयारी पूरी थी। उन्होंने गर्डर को रख दिया। अब 65 मीटर लंबे फेब्रिकेटेड ब्रिज के लिए करीब 3 घंटे का ब्लॉक चाहिए। जैसे ही मिलेगा ब्रिज को उसे पर चढ़ा दिया जाएगा। फिलहाल इसमे कुछ दिनों का समय लगेगा। फेब्रिकेटेड ब्रिज की लंबाई 65 मीटर है, जबकि वजन 416 टन हैं। इस ब्रिज के रखने के बाद मेट्रो ट्रेन का ट्रैक इससे कनेक्ट करते हुए लाइन को एम्स की तरफ बढ़ा दिया जाएगा। ऐसे में 6.2 किलोमीटर का मेट्रो का प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम पूरा होगा और दिसंबर 2024 तक मेट्रो के कमर्शियल रन की स्थिति में आ जाएगा।

Bhopal Metro News

25th August 25, 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
27	Dainik jagran	Bhopal	25.08.2024	12	जहां मेट्रो का काम पूरा हुआ, वहां से बैरिकेड्स हटाकर सुधारी जाएं	Neutral

www.djmp.in/epaper
दैनिक जागरण
12
विविध SUNDAY भोपाल, 25 अगस्त, 2024

जहां मेट्रो का काम पूरा हुआ, वहां से बैरिकेड्स हटाकर सुधारी जाएंगी सड़कें

मेट्रो के एमडी एस कृष्ण चैतन्य ने अधिकारियों को दिए निर्देश

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल। राजधानी भोपाल में मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर के निर्माण के दौरान सड़कों को भारी नुकसान हुआ है। वहीं जगह-जगह की गई बैरिकेटिंग की वजह से ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। लंबे समय बाद अब इन बैरिकेट्स को हटाने और सड़कों को सुधारने की तैयारी की जा रही है। एमपी मेट्रो के नए एमडी एस कृष्ण चैतन्य ने इसे लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। शनिवार को एमडी ने प्रायोरिटी कॉरिडोर और मेट्रो डिपो का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में मेट्रो का काम लगभग पूरा हो गया है। वहां से बैरिकेड्स हटाकर सड़कों की मरम्मत का कार्य किया जाए, ताकि ट्रैफिक व्यवस्था सुधर सके।

डिपो में जलभराव रोकने के निर्देश

उन्होंने ठेकेदारों को डिपो में उचित जल निकासी प्रणाली सुनिश्चित करने और स्टेशन के एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने भोपाल मेट्रो रेल प्रायोरिटी कॉरिडोर के सुभाष नगर डिपो से एम्स तक, जिसमें रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) साइट भी शामिल है, का व्यापक निरीक्षण और समीक्षा बैठक की। उन्होंने विशेष रूप से डिपो में प्रभावी जल निकासी प्रणाली लागू करने के लिए ठेकेदार को निर्देशित किया जिससे भविष्य में जलभराव की समस्या से बचा जा सके। साथ ही स्टेशन के शेष एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स को पूरा करने के लिए ठेकेदार को निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने आस-पास की सड़कों के विकास और यातायात के सुचारू प्रवाह के लिए बैरिकेड्स हटाने के निर्देश दिए। प्रबंध संचालक ने अधिकारियों, ठेकेदारों और जनरल कंसल्टेंट को परियोजना की निरंतर निगरानी और समय पर कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
28	Navduniya	Bhopal	25.08.24	4	मेट्रो डिपो में करें जल निकासी के इंतजाम भविष्य में न हो जलभराव : एस. कृष्ण चैतन्य	Neutral

मेट्रो डिपो में करें जल निकासी के इंतजाम भविष्य में न हो जलभराव : एस. कृष्ण चैतन्य

मेट्रो रेल कार्पोरेशन के प्रबंध निदेशक ने मेट्रो कार्य का लिया जायजा

मेट्रो कार्पोरेशन के प्रबंध निदेशक एस कृष्ण चैतन्य मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण करते हुए। ● नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : मेट्रो डिपो में जल निकासी के बेहतर इंतजाम किए जाएं, जिससे आने वाले समय में जलभराव की समस्या से बचा जा सके। मेट्रो स्टेशन के आने-जाने के बिंदुओं को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। वहीं, सार्वजनिक यातायात को सुचारू बनाने के लिए सड़कों के विकास और बैरिकेड्स को हटाने पर जोर दिया जाए। यह निर्देश मेट्रो रेल कार्पोरेशन के प्रबंध निदेशक एस कृष्ण चैतन्य ने शनिवार को अधिकारियों को दिए। उन्होंने भोपाल मेट्रो प्रायोरिटी कारिडोर का सुभाष नगर डिपो से एम्स स्टेशन तक, जिसमें रेलवे ओवर ब्रिज साइट भी शामिल है, इसका निरीक्षण कर कार्य की प्रगति को देखा।

मेट्रो रेल कार्य का निरीक्षण करने के बाद प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों, जनरल कंसल्टेंट और ठेकेदारों के साथ प्रायोरिटी कारिडोर, सुभाष नगर डिपो, प्रायोरिटी सेक्शन के सभी मेट्रो स्टेशनों के निर्माण कार्य की प्रगति का मूल्यांकन किया।

उन्होंने कहा कि समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के महत्व पर जोर दिया और सभी संबंधित पक्षों के शेष कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए। विशेष रूप से ठेकेदार डिपो में प्रभावी जल निकासी प्रणाली लागू की जाए। जिससे भविष्य में जलभराव की समस्या से बचा जा सके। स्टेशनों के आने-जाने के बिंदुओं को, यातायात सुचारू रहे इसके लिए सड़कों का विकास करने के साथ ही बैरिकेड्स को हटाया जाए।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
29	Patrika	Bhopal	25.08.2024	05	मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्टः सड़कें सुधारने के निर्देश	Neutral

पत्रिका {माय सिटी}
MY CITY
पत्रिका
भोपाल, रविवार, 25 अगस्त 2024
SUNDAY 05
patrika.com

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्टः सड़कें सुधारने के निर्देश

भोपाल. मेट्रो रेल कारपोरेशन के एमडी एस कृष्ण चैतन्य ने प्रोजेक्ट साइट से लगी सड़कों पर लगे मेट्रो के बैरिकेड्स हटाने और संबंधित सड़कों को जल्द दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। बैरिकेड्स लगे होने और खराब सड़कों से मेट्रो साइट के पास ट्रैफिक बाधित हो रहा है। चैतन्य ने शनिवार को प्रोजेक्ट में सुभाष नगर डिपो से एम्स तक का निरीक्षण किया। उन्होंने मेट्रो डिपो में जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने व स्टेशन के एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स को पूरा करने के लिए कहा। एमडी ने प्रोजेक्ट के काम की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
30	Navbharat	Bhopal	25.08.2024	04	एमडी ने लिया मेट्रो डिपो का जायजा	Neutral

एमडी ने लिया मेट्रो डिपो का जायजा

अफसरों से कहा-काम जल्द पूरा करें

भोपाल, 24 अगस्त. भोपाल मेट्रो के नए एमडी एस. कृष्ण चैतन्य ने शनिवार को भोपाल मेट्रो के प्रॉयोरिटी कॉरिडोर का सुभाषनगर डिपो से एम्स स्टेशन तक और आरओबी का निरीक्षण किया.

साथ ही अफसरों की मीटिंग लेकर प्रॉयोरिटी कॉरिडोर का काम जल्द पूरा करने को कहा.दया. स्टेशन के शेष एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स को पूरा करने के लिए ठेकेदार को निर्देश दिए. इसके अतिरिक्त उन्होंने आसपास की सड़कों के विकास और

यातायात के सुचारू प्रवाह के लिए बैरिकेड्स हटाने के निर्देश दिए.

ये अफसर रहे मौजूद: सिस्टम निदेशक शोभित टंडन, प्रोजेक्ट निदेशक अजय गुप्ता, सिविल महाप्रबंधक वाईसी शर्मा, संजय सिंह, ईएंडएम महाप्रबंधक एनडी शक्यवार, एसएंडटी एवं रोलिंग स्टॉक महाप्रबंधक उपस्थित थे.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
31	Raj express	Bhopal	25.08.2024	06	मेट्रोः नए एमडी ने देखा प्रॉयोरिटी कॉरिडोर	Neutral

भोपाल
6
www.rajexpress.com
महानगर
राज एक्सप्रेस
रविवार, 25 अगस्त 2024

मेट्रोः नए एमडी ने देखा प्रॉयोरिटी कॉरिडोर

भोपाल (आरएनएन)। मेट्रो के नए एमडी एस. कृष्ण चैतन्य आईएएस शनिवार को भोपाल मेट्रो रेल प्रायोरिटी कॉरिडोर के सुभाष नगर डिपो से एम्स तक बने कॉरिडोर को देखने पहुंचे। जहां उन्होंने आरओबी साइट भी देखी। वहीं अब तक हुए कार्यों की समीक्षा बैठक ली। एमडी ने अधिकारियों सहित जनरल कंसल्टेंट और ठेकेदारों के साथ प्रायोरिटी कॉरिडोर को लेकर चर्चा की। साथ ही सुभाष नगर डिपो और प्रायोरिटी सेक्शन के सभी मेट्रो स्टेशनों का दौरा किया। मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि बचे काम समय सीमा में पूरे करें। डिपो में भर रहे पानी को लेकर जल निकासी प्रणाली लागू करने के लिए ठेकेदार को निर्देशित किया। ताकि भविष्य में जलभराव की समस्या से बचा जा सके। स्टेशन के शेष एंट्री एग्जिट पॉइंट्स को पूरा करने को कहा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
32	Dainik Bhaskar	Bhopal	25.08.2024	3	मेट्रो के एमडी बोले- जल्द हटाएं बैरिकेडिं	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 25-08-2024

मेट्रो के एमडी बोले- जल्द हटाएं बैरिकेडिंग

भोपाल| मेट्रो कारपोरेशन के नए एमडी एस कृष्ण चैतन्य शनिवार को भोपाल मेट्रो की साइट पर पहुंचे। प्रायोरिटी कॉरिडोर तक के काम और रेलवे ओवर ब्रिज की स्थिति भी देखी। उन्होंने कहा कि काम जल्द पूरा कर बैरिकेडिंग हटाएं और सड़क पर आम ट्रैफिक शुरू करें।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
33	Dainik Bhaskar Digital	Bhopal	25.08.2024		भोपाल मेट्रो एमडी ने देखा सुभाषनगर डिपोः सभी स्टेशन भी पहुं ; अफसरों की मीटिंग लेकर जल्द काम निपटाने को कहा	Neutral

भोपाल मेट्रो एमडी ने देखा सुभाषनगर डिपो: सभी स्टेशन भी पहुंचे; अफसरों की मीटिंग लेकर जल्द काम निपटाने को कहा

भोपाल | 24/08/24

शेयर

भोपाल मेट्रो के नए एमडी एस. कृष्ण चैतन्य ने शनिवार को भोपाल मेट्रो के प्रॉयोरिटी कॉरिडोर का सुभाषनगर डिपो से एम्स स्टेशन तक और आरओबी का निरीक्षण किया। साथ ही अफसरों की मीटिंग लेकर प्रॉयोरिटी कॉरिडोर का काम जल्द पूरा करने को कहा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
34	India Newsvista	Bhopal	25.08.2024		एमडी एस. कृष्ण चैतन्य ने किया सुभाषनगर डिपो और स्टेशनों का निरीक्षण, कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश	Neutral

INDIANEWSVISTA

BHOPAL Aug-25-24

एमडी एस. कृष्ण चैतन्य ने किया सुभाषनगर डिपो और स्टेशनों का निरीक्षण, कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

नए एमडी ने अफसरों से कहा निर्माण कार्य और यातायात व्यवस्था दोनों के बीच संतुलन बनाएं

भोपाल। भोपाल मेट्रो रेल परियोजना के नए प्रबंध निदेशक (एमडी) एस. कृष्ण चैतन्य ने शनिवार को

Bhopal Metro News

27th August, 2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
35	Times Of India	Bhopal	27.08.2024	2&3	Bhopal metro work on fast track; soil testing complete	Neutral

BHOPAL METRO WORK ON FAST TRACK; SOIL TESTING COMPLETE; ROAD BLOCKADES IN KAROND | 3

TIMES CITY
THE TIMES OF INDIA, BHOPAL | TUESDAY, AUGUST 27, 2024

Pg-2&3

Bhopal metro work on fast track; soil testing complete

As Work Scale Up, There Could Be Road Blockades In Karond

TIMES NEWS NETWORK

Bhopal: Bhopal's metro expansion is nearing the completion of soil testing, just before the monsoon wraps up, aiming to meet the deadline of the metro track connecting Depot to Karond.

However, the real drill of navigating through densely populated areas has just begun, as there might be road blockades in near future, an official said, adding that the soil testing is almost done, setting the stage for the completion of the track.

Authorities are pushing forward to meet deadlines, yet the hurdles seem to lurk. "It will come with some disturbance. We have not blocked any traffic routes till now. In due course, such measures will be undertaken," the official added.

The Bhopal metro construction on the route passing through Hamidia Road, Bhopal Talkies and Bharat Talkies areas is currently causing traffic congestion. Efforts are being made to expedite the progress, and plans will soon be made public, he added.

Traffic has not come to a standstill, though partial closures are in effect in certain areas. Soil testing at spots like Bada Bagh has not significantly affected traffic, but areas near Pul Bodga and Karond are experiencing congestion.

WHAT'S UNDER CONSTRUCTION?

The stretch from **Subhash Nagar to AIIMS** is actively under construction and is expected to be completed this year

Bharat Talkies Road

The Orange Line, which includes the Karond Metro station, is part of Phase 1 of the Bhopal Metro project. This phase covers a total of 14.99km and includes both elevated and underground sections

Stations | The Orange Line will have 16 stations, including Karond Circle, Krishi Upaj Mandi, DIG Bungalow, Once completed, the Karond Metro station will significantly improve connectivity in the northern part of Bhopal, making it easier for residents to commute to key areas like AIIMS and the city centre

Three Key Directors' Posts Vacant At MPMRCL

- MPMRCL is currently operating without full-time directors for three key positions— systems, project, and finance. These posts have been managed by in-charge directors for months. The systems director has never officially joined, and the finance director's role has been vacant since Nov. The director of the project returned to Indian Railways in August
- Sources reveal that "MPMRCL board was created in 2020, and an organizational structure was approved on 16 Aug 2021." Despite these vacancies, the MPMRCL continues its operations under the guidance of in-charge directors